

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 21 September 2026

पर्यटन को नई दिशा देने वाले मनोज नारवड़े को मिला नेशनल आइकॉन अवॉर्ड 2025.

Publisher

Published on 05 Jul 2025



छत्रपति संभाजीनगर के मनोज नारवड़े को मिला नेशनल आइकॉन अवॉर्ड 2025, **Trip Treasure Holidays** के जरिए भारत के पर्यटन को दी नई पहचान ।

Success Story: आज के दौर में यात्रा सिर्फ एक गंतव्य तक पहुंचने का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन बदलने वाला अनुभव बन गई है। ऐसे समय में **छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद)** के **मनोज नारवड़े** भारतीय पर्यटन के क्षेत्र में एक नई पहचान बनकर उभरे हैं। उन्हें मुंबई में आयोजित समारोह में **नेशनल आइकॉन अवॉर्ड 2025** से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार उनकी कंपनी **Trip Treasure Holidays** के जरिए पर्यटन उद्योग में किए गए अभूतपूर्व कार्यों के लिए दिया गया।

पर्यटन को अनुभव में बदलने की सोच

मनोज नारवड़े का मानना है कि यात्रा केवल पर्यटन स्थलों को देखने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उसमें **संस्कृति, विरासत और स्थानीय समुदायों** से जुड़ाव होना चाहिए। उनकी कंपनी द्वारा तैयार किए गए टूर पैकेज सिर्फ लोकप्रिय जगहों तक सीमित नहीं होते, बल्कि उन अनदेखे स्थानों तक भी ले जाते हैं, जहां भारत की असली खूबसूरती बसती है।

चाहे केरल के शांत बैकवाटर्स हों या हिमालय के आध्यात्मिक ट्रेल्स, **Trip Treasure Holidays** के प्रत्येक यात्रा पैकेज में भारत की विविधता और सांस्कृतिक गहराई को महसूस किया जा सकता है।

कोविड के समय दिखाई दूरदर्शिता

कोविड-19 महामारी के समय जब पूरी दुनिया में पर्यटन ठप हो गया था, तब **मनोज नारवड़े** ने अपने व्यवसाय को नई दिशा दी।

उन्होंने डिजिटल कंसल्टेशन, फ्लेक्सिबल बुकिंग और हाई टेक्नोलॉजी आधारित यात्रा सुरक्षा उपायों की शुरुआत की।

Trip Treasure Holidays को उन्होंने टेक-सेवी कंपनी के रूप में बदल दिया, जिसमें **AI-आधारित इटिनरेरी प्लानिंग**, **मोबाइल ऐप इंटीग्रेशन** और **रियल-टाइम कस्टमर सपोर्ट** जैसी सुविधाएं शामिल की गईं। उनके लिए भारतीय पारंपरिक आतिथ्य को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ना भविष्य की आवश्यकता है।

राष्ट्रीय पहचान, वैश्विक प्रभाव

मुंबई में आयोजित अवॉर्ड समारोह में **बॉलीवुड अभिनेत्री मौनी रॉय** द्वारा जब उन्हें सम्मानित किया गया, तो यह न केवल **मनोज नारवड़े** बल्कि **भारतीय पर्यटन** जगत के लिए गौरव का क्षण था। जूरी ने उनके **“उत्तरदायी पर्यटन, डिजिटल नवाचार और सामुदायिक विकास के प्रति गहरी प्रतिबद्धता”** की सराहना की।

अपने स्वीकृति भाषण में उन्होंने कहा :

“यह पुरस्कार सिर्फ मेरा नहीं है, यह मेरी टीम, हमारे साझेदारों और हर उस यात्री का है, जिसने हमारी बनाई यात्राओं पर भरोसा किया। पर्यटन लोगों के बीच पुल बनाने का जरिया है, जो सपनों और गंतव्यों को जोड़ता है।”

आगे की योजना : सतत और जिम्मेदार पर्यटन

मनोज नारवड़े अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार करने और **ईको-टूरिज्म** परियोजनाओं को शुरू करने की योजना बना रहे हैं। उनका फोकस है कि **भारत का पर्यटन** उद्योग सतत विकास की दिशा में आगे बढ़े और सभी के लिए सुलभ हो।

वे चाहते हैं कि भारत का हर कोना **वैश्विक स्तर पर पर्यटन** के नक्शे पर अपनी जगह बनाए और स्थानीय समुदायों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाए।

एक प्रेरणा देने वाली कहानी

मनोज नारवड़े का सफर हर उस व्यक्ति के लिए प्रेरणा है जो अपने सपनों को लेकर आगे बढ़ना चाहता है। उन्होंने दिखाया है कि अगर उद्देश्य स्पष्ट हो और निष्ठा से कार्य किया जाए तो कोई भी व्यवसाय समाज के लिए बदलाव ला सकता है।

भारत को उन पर गर्व है

मनोज नारवड़े और उनकी टीम भारत के **पर्यटन को विश्वस्तरीय** बना रहे हैं। उनका यह योगदान भारत की **सांस्कृतिक धरोहर** को विश्व के कोने-कोने तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com